सांवरिये की लाठी में आवाज़ कभी ना आएगी लिरिक्स

सांवरिये की लाठी में,
आवाज़ कभी ना आएगी,
सब दरवाजे बंद मिलेंगे,
जिस दिन ये पड़ जाएगी।bd।

तुझसे अच्छा कोई नहीं है,
दर पे दिखावा करता है,
धीरे धीरे घड़ा पाप का,
इस दुनिया में भरता है,
जितनी भी तू अकड दिखालें,
जितनी भी तू अकड दिखालें,
धरी यही रह जाएगी,
सब दरवाजे बंद मिलेंगे,
जिस दिन ये पड़ जाएगी।bd।

स्वार्थ में तू होके अंधा,
भूल गया रिश्ते नाते,
समझ में आती है बस तुझको,
अपने मतलब की बातें,
चाहे जितनी जोड़ ले दौलत,
चाहे जितनी जोड़ ले दौलत,
यही धरी रही जाएगी,
सब दरवाजे बंद मिलेंगे,
जिस दिन ये पड़ जाएगी।bd।

खाटू वाले के खातिर तो,
प्रेमी सभी बराबर है,
एक तराजू सबको तोलें,
नजर श्याम की सब पर है,
जैसा भाव सांवरिया लाएं,
जैसा भाव सचिन लाएं,
वैसी झोली भर जाएंगी,
सब दरवाजे बंद मिलेंगे,
जिस दिन ये पड़ जाएगी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सांवरिये की लाठी में,
आवाज़ कभी ना आएगी,
सब दरवाजे बंद मिलेंगे,
जिस दिन ये पड़ जाएगी।bd।

गायक / प्रेषक – सागर सांवरिया।
9211947046

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com